दैनिक भारतीय बस्ती

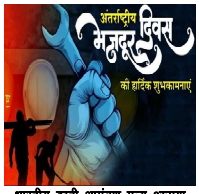

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 272 गुरूवार 1 मई 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

डीएम ने किया गौशाला, गेहूं क्रय केन्द्र का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने विकास खण्ड कप्तानगंज के ग्राम सड़वलिया में स्थित गौशाला एवं सहकारी संघ कप्तानगंज गेहूं क्रय केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। ग्राम सड़वलिया में स्थित गौशाला के निरीक्षण में उन्होने पाया कि गौशाला पर दो कर्मचारी कार्यरत है, जिनको मार्च 2025 तक मानदेय मिला है। गौशाला केन्द्र पर 42 पशु है, जिनकी टैगिंग की गयी है। उन्होने दैनिक रजिस्टर को देखा, जो अद्यतन नहीं पाया गया।

उन्होने पाया कि पानी पीने के लिए टंकी बनी हुई है एवं भूसा पर्याप्त है तथा बाउन्ड्रीवाल नहीं बनी है। इस परिसर से बाहर दो बीघा में हरा चारा बोया गया है। उन्होने पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि परिसर के बगल स्थित बंजर भूमि में चारे को उगाये एवं दैनिक रजिस्टर को प्रतिदिन अपडेट करें तथा खण्ड विकास अधिकारी बाउन्ड्रीवाल बनाने की कार्यवाही करें।

सहकारी संघ कप्तानगंज गेहूं क्रय केन्द्र के निरीक्षण में उन्होने पाया कि केन्द्र पर गेहूं का तौल नहीं किया जा रहा है। बताया गया कि कल 29 अप्रैल को 14 कुन्तल गेहूं का तौल ग्राम में किया गया है, किन्तु लाया नहीं गया है। उन्होने देखा कि गेहूं का क्रय बहुत कम किया गया है। इस स्थिति पर उन्होने केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया कि ग्राम में जाकर कृषको से सम्पर्क कर अधिक से अधिक गेहूं क्रय करवाया जाय। निरीक्षण के समय केन्द्र प्रभारी विजय भान पाण्डेय एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

पल्लवी को मिला 96.5 प्रतिशत अंक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सेंट बेसिल की 12वीं की छात्रा पल्लवी ने आई सी एस ई परीक्षा में 96.5: अंक लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया। जनपद मुख्यालय के कटरा बाईपास के रहने वाले पेशे से शिक्षक प्रशांत किशोर की बेटी पल्लवी ने 12वीं आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में बेहतरीन अंक लाकर विद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय और परिवार का नाम रोशन किया है । पल्लवी की माता आशा देवी और पल्लवी के बाबा रिटायर्ड प्रशासनिक अधिकारी शिवराम कनौजिया सहित क्षेत्रीय जनों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

खाते से निकाल लिये 84 हजार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। साइबर जालसाज के हाथ एक युवक का मोबाइल लग गया। मोबाइल में लगे सिम कार्ड की मदद से युवक के बैंक खाते से 84 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिया। ऑनलाइन फ्राड की जानकारी होने पर पीड़ित ने उच्चाधिकारियों से घटना की शिकायत की। एसपी अभिनंदन के आदेश पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने धोखाड़ी व आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच–पड़ताल शुरू कर दी है। कलवारी थानाक्षेत्र के रहने वाले शिकायतकर्ता ने तहरीर देकर बताया है कि कुछ दिनों पहले उनका मोबाइल फोन महादेवा के पास कहीं गिर गया था। यह मोबाइल किसी जालसाज के हाथ लग गया। जिसने मोबाइल में लगे सिम की मदद से उनके बैंक खाते से 84 हजार रुपया किसी अन्य खाते में ट्रांसफर कर लिया।

जातिगत जनगणना करायेगी मोदी सरकार

नई दिल्ली (आभा)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना को लेकर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का एलान कर दिया है। यह जनगणना मूल जनगणना के साथ ही कराई जाएगी। कैबिनेट की बैठक के बाद मंत्रिमंडल के फैसलों पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने फैसला किया है कि जाति गणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए।'

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कर पूर्ववर्ती सरकारों ने हमेशा से ही जातिगत जनगणना का विरोध किया है। आजादी के बाद से ही जाति को जनगणना की किसी भी प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया। 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह ने लोकसभा में आश्वासन दिया कि जातिगत जनगणना को कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। इसके बाद एक मंत्रीमंडल समूह का गठन किया गया। इसमें ज्यादातर राजनीतिक दलों ने जातिगत जनगणना की संस्तुति की। इसके बावजूद भी कांग्रेस ने महज खानापूर्ति का ही काम किया। उसने महज सर्वे कराना ही उचित समझा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'यह अच्छी तरह से समझा जा सकता है कि कांग्रेस और उसके इंडी गठबंधन के सहयोगियों ने जाति जनगणना को केवल एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है। जनगणना का विषय संविधान के अनुच्छेद 246 की केंद्रीय सूची की क्रम संख्या 69 पर अंकित है। यह केंद्र का विषय है। हालांकि, कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण सुचारू रूप से किया है, जबकि राजनीतिक दृष्टिकोण से गैर–पारदर्शी तरीके से ऐसे सर्वेक्षण किए हैं। ऐसे सर्वेक्षणों ने समाज में भ्रांति फैली है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारा सामाजिक ताना–बाना राजनीति के दबाव में न आए। हमें जाति जनगणना के लिए एक मंच तैयार करना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समाज आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से मजबूत होगा और देश का विकास भी निर्बाध रूप से चलती रहेगी।

जनगणना 1951 से प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर की जाती थी, लेकिन 2021 में कोरोना महामारी के कारण जनगणना टल गई थी। राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को भी अपडेट करने का काम बाकी है। अभी तक जनगणना की नई तारीख का आधिकारिक तौर पर एलान भी नहीं किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, जनगणना के आंकड़े 2026 में जारी किए जाएंगे।`

राहुल गांधी ने किया जाति जनगणना के फैसले का समर्थन, कहा तारीख बताये सरकार

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुई कैबिनेट बैठक में देश में जाति जनगणना करवाने का फैसला लिया गया है। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार ने यह फैसला उनकी पार्टी द्वारा लगातार उठाई गई मांग के बाद किया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि संसद में हमने कहा था कि जाति जनगणना करवा कर रहेंगे। साथ ही 50 फीसदी का आरक्षण की सीमा भी हटाएंगे। हम इस फैसले का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहला कदम है, अब इससे आगे जाना है। सरकार तारीख बताए कि इसे कब तक करवाया जाएगा।

राहुल गांधी ने कहा, 'तेलंगाना में हमने बहुत गहराई से जनता से बात करके इसे बनाया है। हम लोगों का सेंसस चाहते हैं, नाकि ब्यूरोक्रेट का सेंसस। तेलंगाना मॉडल में दो–तीन प्रिंसिपल है। पहला यह है कि बंद कमरे में ब्यूरोक्रेट ने इसे नहीं डिजाइन किया। जिनकी हम मदद करने की कोशिश कर रहे हैं, वे ब्यूरोक्रेसी में नहीं हैं। हम मास सेंसस, ओपन टेक्नोलॉजी का सेंसस चाहते हैं, जहां पर लोगों से पूछे कि इसके डिजाइन पर आपकी क्या राय है। दूसरा प्रिंसिपल एक्सपर्ट ग्रुप को सेटअप किया जाना है, जो सभी डेटा को स्टडी करेंगे। तीसरा स्टेप– 50 फीसदी आरक्षण की सीमा को हटाना है, जिसे तेलंगाना सरकार ने कर दिखाया है।

जातिगत जनगणना पीडीए की जीत- अखिलेश

लखनऊ (आभा)। जातीय जनगणना कराने के केंद्र की मोदी सरकार के फैसले को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की जीत बताया है। अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए की एकजुटता के आगे भाजपा सरकार मजबूरन यह फैसला लेने को बाध्य हुई है।

सरकार के इस फैसले को सामाजिक न्याय की लड़ाई में महत्वपूर्ण फैसला बताते हुए आगे की रणनीति का भी अखिलेश यादव ने खुलासा कर दिया है। अखिलेश ने कहा कि सभी जातियों को अब अपना–अपना हक मिल सकेगा। अखिलेश ने कहा कि अधिकारों के सकारात्मक लोकतांत्रिक आंदोलन का यह पहला चरण है। भाजपा की प्रभुत्ववादी सोच का अंत होकर ही रहेगा।

दलित रोजगार सेवक रेशमा भारती को दबंगों से जान का खतराः एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परसुरामपुर विकास खण्ड क्षेत्र के ग्रामसभा बस्थनवा में रोजगार सेवक पद पर तैनात पैकोलिया थाना क्षेत्र के दुबौलिया जीतीपुर निवासिनी दलित रेशमा भारती पत्नी पवन कुमार ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में रोजगार सेवक रेशमा भारती ने कहा है कि उसका कार्य मनरेगा में कार्य कर रहे मजदूरों की हाजिरी लगाना और उनके कार्यों को देखना है। गत 21 अप्रैल को जब वह मनरेगा मजदूरों की हाजिरी लगा रही थी तो पैकोलिया थाना क्षेत्र के बस्थनवा निवासी शम्भूनाथ पुत्र शिवसरन, पदुमनाथ पाठक पुत्र श्याम बिहारी पाठक, श्याम बिहारी पाठक, अखिलेश पाठक पुत्र लाल बिहारी, दुलारपुर निवासी विजय कुमार पुत्र रघुवीर आदि ने मनरेगा मजदूरों द्वारा कराये जा रहे काम को रोकवा दिया। कहा हमारे लोगों की हाजिरी बनवाओं वरना काम नहीं होने दूंगा। उक्त लोगों ने जाति सूचक गालियां

देकर धमकी दिया।

रोजगार सेवक रेशमा भारती ने एसपी को दिये पत्र में कहा है कि जब वह अपने पति के साथ जा रही थी तो उक्त लोगों ने रोककर धमकी दिया। उसने मामले की सूचना पैकोलिया पुलिस को दिया किन्तु मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। इससे उसका परिवार डरा सहमा है। उसने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर अपने और परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

दबंग पड़ोसी पर दीवार गिराने का आरोप एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के बैडारी मुस्तहक निवासी दिनेश कुमार यादव पुत्र रामशंकर ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में दिनेश कुमार यादव ने कहा है कि 29 अप्रैल की रात्रि में उसके पड़ोसी बलिराम तिवारी पुत्र रामदत्त, बृजेश पुत्र बलिराम, नौगनाथ पुत्र बलिराम, बलिराम की पत्नी उकीर्ति, पुत्री बलिराम नौगनाथ की पत्नी आयुषी आदि ने असलहे की नोक पर उसकी दीवाल को गिरा दिया। चौकी इन्चार्ज गायघाट राममणि उपाध्याय को घटना की सूचना दी गई किन्तु स्थानीय पुलिस के स्तर पर उसे कोई न्याय नहीं मिला।

बैडारी मुस्तहक निवासी दिनेश कुमार यादव ने एसपी से मांग किया है कि दोषियों के मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई के साथ उसे न्याय दिलाया जाय और उसके मकान का निर्माण होने दिया जाय।

जमीनी विवाद में दबंगों ने पीटा दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के मिटहा निवासी परमात्मा प्रसाद चौधरी पुत्र जगराम, रमाकान्त, राम प्रसाद, मोहनलाल ने पुलिस अधीक्षक से मांग किया है जमीनी रंजिश में जबरिया बाग के नम्बर पर मिट्टी गिराने और मना करने पर गालियां देकर मारने पीटने वाले गांव के ही दीनानाथ, संदीप पुत्र दीनानाथ, राजकुमारी पत्नी दीनानाथ के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय।

मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के मिटहा निवासी परमात्मा प्रसाद चौधरी ने बताया कि इस मामले में मुण्डेरवा पुलिस ने बीएनएस की धारा 115 (2), 352, 351 (3), 127 (2) के तहत मुकदमा तो दर्ज कर लिया है किन्तु गिरफ्तारी न होने से उनका मनोबल बढा हुआ है। उक्त लोग देख लेने की धमकियां दे रहे हैं। मांग किया कि दोषियों को गिरफ्तार कर उनके परिवार के जान माल और जमीन की सुरक्षा कराया जाय।

दबंग युवकों ने दलित युवक को पीटाः दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के कुरियार निवासी दलित श्यामलाल के पुत्र अभिषेक कुमार राना को गांव के ही लक्ष्य पुत्र आशाराम चौधरी, ऋषभ पुत्र विमल चौधरी, मिथलेश उर्फ पप्पू पुत्र विजयपाल चौधरी आदि ने पुरानी रंजिश को लेकर उस समय लाठी डण्डों से बुरी तरह से मारा पीटा जब वह खेत से भूषा लेने जा रहा था। स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप से किसी तरह से अभिषेक कुमार राना की जान बची। उसे इलाज के लिये जिला अस्पताल बस्ती में भर्ती कराया गया है। पुलिस मुकदमा पंजीकृत कर मामले की विवेचना कर रही है।

अभिषेक कुमार राना को दबंग युवकों द्वारा बुरी तरह से मारे पीटे जाने से लोगों में आक्रोश है। डा. अम्बेडकर शिक्षा समिति के संस्थापक दिग्विजय कुमार के नेतृत्व में नागरिकों ने मुण्डेरवा थाने पर घेराव कर न्याय की गुहार लगाया। चेतावनी दिया कि दोषी गिरफ्तार न हुये तो समिति संघर्ष को बाध्य होगी। थाने पर न्याय की मांग के दौरान पीड़ित परिजनों के साथ अमरजीत आर्य, महेन्द्र, राहुल, वीरेन्द्र भारती, अशोक, रमेश, अंकित कुमार, वीरेन्द्र निराला, धीरेन्द्र निराला, के साथ अनेक लोग शामिल रहे।

जयंती पर भगवान परशुराम को किया नमन्, दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को अक्षय तृतीया के दिन कलेक्ट्रेट परिसर में वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति अध्यक्ष बी. एन. शुक्ल की अध्यक्षता में भगवान परशुराम की जयंती उत्साह और संकल्पों के साथ मनाया गया।

समिति के महामंत्री वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि परशुराम जयंती का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। मान्यता है कि भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं और यह भगवान शिव के परम भक्त हैं। भगवान परशुराम का जन्म माता रेणुका और ऋषि जमदग्नि के घर प्रदोष काल में हुआ था। भगवान परशुराम का जीवन आज्ञापालन, तपस्या और धर्म रक्षा के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है। उनके जीवन संदेशों से प्रेरणा लेकर हमें शक्ति और समन्वय स्थापित कर समरस समाज बनाना होगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से बी.के. मिश्र, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, पं. चन्द्रबली मिश्र, पेशकार मिश्र, कृष्णचन्द्र पाण्डेय, लालजी पाण्डेय, विनोद कुमार भट्ट, साधुशरण शुक्ल आदि ने भगवान परशुराम को नमन् करते हुये कहा कि उन्होने धर्म स्थापना के लिये शस्त्र उठाये।

बीएसए से विद्यालय के मान्यता के जांच की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के पटखौली निवासी भारतीय जनता पार्टी नेता अजय कुमार ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र देकर गांव में संचालित मार्डन पब्लिक स्कूल की मान्यता और मानको के जांच कराने की मांग किया।

बीएसए को दिये पत्र में कहा गया है कि पटखौली गांव में मार्डन पब्लिक स्कूल संचालित है। यहां के.जी. से कक्षा 10 तक की कक्षायें संचालित की जाती है। विद्यालय न तो मान्यता प्राप्त है न शिक्षा के लिये अनुकूल वातावरण है। फीस आदि के नाम पर बच्चों को आये दिन प्रताड़ित किया जाता है। अजय कुमार ने बीएसए से मांग किया कि स्कूल की जांच कराकर उचित कार्रवाही की जाय।

चित्रांश क्लब की पहल पर नगर पालिका लगायेगी 10 नये वाटर कूलर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को चित्रांश क्लब अध्यक्ष प्रकाश मोहन श्रीवास्तव के नेतृत्व में पदाधिकारियों के प्रतिनिधि मण्डल ने नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा, भाजपा नेता अकुंर वर्मा से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट किया। मांग किया कि बढ़ती गर्मी को देखते हुये शहर में पुराने वाटर कूलरों की मरम्मत कराकर नये वाटर कूलर स्थापित कराये जांय। इसके साथ ही जीवन दायिनी कुंआनों के अमहट घाट पर स्वच्छता और सौन्दर्यीकरण के लिये प्रभावी कदम उठाये जांय।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने प्रतिनिधि मण्डल को आश्वासन दिया कि अति शीघ्र 10 नये वाटर कूलर लगवा दिये जायेंगे और अमहट घाट पर स्वच्छता के विशेष स्थायी व्यवस्था करायी जायेगी।

प्रतिनिधि मण्डल में चित्रांश क्लब के संस्थापक राजेश चित्रगुप्त, अजय कुमार श्रीवास्तव, अविनाश श्रीवास्तव, डा. कृष्ण कुमार प्रजापति, अनिल कुमार पाण्डेय, डा. मुनौव्वर हुसेन, शेषनरायन गुप्ता, उमंग शुक्ला, अयाजुर्रहमान, पंकज पाण्डेय के साथ ही चित्रांश क्लब के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

–कुंआनो अमहट घाट पर स्वच्छता, सौन्दर्यीकरण की मांग

बाबा साहेब की तस्वीर से छेड़छाड़ का आरोपःभाजपा ने फूंका सपा का पुतला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर से कथित छेड़छाड़ और उसमें अखिलेश यादव की तस्वीर जोड़ने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने प्रदर्शन किया। नगर पालिका परिषद, बस्ती स्थित अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर आयोजित इस विरोध कार्यक्रम में भाजपा के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भारी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी का पुतला भी दहन किया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा, "बाबा साहेब के चेहरे के साथ अपना चेहरा जोड़कर अखिलेश यादव ने केवल अपना अहंकार दिखा रहे हैं, बल्कि करोड़ों दलितों के संघर्ष का भी मजाक उड़ा रहे हैं। यह कृत्य दलित समाज का सीधा अपमान है।" उन्होंने सपा पर दलितों के शोषण और उनके अधिकारों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि सपा के कार्यकाल में डॉ. अंबेडकर के नाम से जुड़े संस्थानों से उनका नाम हटाया गया था और आजम खां जैसे नेताओं द्वारा बाबा साहेब के प्रति अपमानजनक टिप्पणी किए जाने पर भी अखिलेश यादव ने चुप्पी साधे रखी।

प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने काली पट्टियाँ बांधकर और विरोधात्मक तख्तियाँ लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। पार्टी ने अखिलेश यादव से सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की है।

भाजपा ने घोषणा की है कि जिला मुख्यालय से लेकर गांव–गांव तक इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे, जिसमें दलित समाज की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

कार्यक्रम का संचालन अखण्ड प्रताप सिंह ने किया। मौके पर पूर्व विधायक रवि सोनकर, दयाराम चौधरी, चन्द्र शेखर मुन्ना, गोपेश्वर त्रिपाठी, प्रमोद पाण्डेय, भानु प्रकाश मिश्र, अभिषेक कुमार, राकेश श्रीवास्तव, अंकुर वर्मा, गिल्लम चौधरी, प्रत्युष विक्रम सिंह, अरविंद पाल, नागेंद्र बहादुर सिंह, लवकुश शुक्ल, सुरेन्द्र चौधरी, सचिन सिंह, दिलीप पाण्डेय, रोली सिंह, सर्वजीत भारती, अमित गुप्ता, अनिल पाण्डेय, रमेश चक्रवर्ती, अभिनव उपाध्याय, कुंदन वर्मा, सतेंद्र सिंह भोलू, शिव पूजन राजभर, गौरव अग्रवाल, प्रमोद कन्नौजिया सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सत्य मार्ग पर चलने की प्रेरणा हैं भगवान परशुराम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ब्राह्मण महासभा परिसर स्थित निर्माणाधीन मंदिर में भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर हवन पूजन तथा विचार गोष्ठी करके प्रसाद वितरण किया गया।

कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र जी ने अक्षय तृतीया तथा भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि भगवान परशुराम जी का जीवन आज के संदर्भ में प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार शुक्ला ने कहा कि भगवान परशुराम जी का जीवन हमें सत्य के मार्ग पर चलने तथा गलत का पुरजोर विरोध करने की प्रेरणा देता है।

संस्थापक राष्ट्रीय महामंत्री मंत्री प0 शम्भू नाथ मिश्र ने कहा कि भगवान परशुराम ने जन कल्याण के लिए तमाम अत्याचारी, अनाचारी, दुर्वयसनी राजाओं का वध करके पृथ्वी को पाप से मुक्त किया था।

प्रदेश अध्यक्ष प्रशान्त पाण्डेय ने कहा कि भगवान परशुराम ने शस्त्र और शास्त्र दोनों को समान रूप से ज्ञानार्जन किया था।

राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री डा0 वीरेन्द्र कुमार तथा विजय बिहारी तिवारी ने संयुक्त रूप से कहा कि भगवान परशुराम अभी भी जीवित ईश्वर के साक्षात प्रतिमूर्ति हैं।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पी एन दूबे, आलोक मिश्रा, गिरिश पाण्डेय, लल्लू पाण्डेय, अतुल मट्ट, रवि शुक्ल, उत्कर्ष त्रिपाठी,संजय शुक्ला, देवीदयाल,एस एन शुक्ल, राधेश्याम पाण्डेय,अनिल कुमार पाण्डेय, ब्रह्म सेवक पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 मई 2025 गुरूवार

सम्पादकीय

मजदूरों की दशा— दिशा

युद्धरत दुनियां के समय में विश्व के मजदूरों की आवाज कौन सुने। अब उनके पास कुल मिलाकर एक मई की तारीख बची है जब उनका समूह अपनी पीडा को साझा कर सके। मजदूर दिवस ऐसा दिन है जो मजदूरों को एक साथ जोड़ता है और उन्हें उनकी शक्ति की याद दिलाता है जब वे एकता में काम करते हैं। श्रमिक अक्सर उपेक्षित महसूस करते हैं, खासकर तब जब वे बहुत मेहनत या भावनात्मक और शारीरिक रूप से थका देने वाला काम करते हैं। काश सरकारें और समाज उनके दर्द, भावनाओं को समझ पाता। इन्ही मुश्किल दौर में हल निकालने होंगे।

कार्ल मार्क्स का कथन 'दुनिया के मजदूरों एक हो जाओ' वर्तमान भारत में भी प्रासंगिक है। इस साल की परिस्थितियाँ दूसरी हैं। सारा विश्व वर्तमान समय में क्रांतियों के दौर से गुजर रहा है। 1792 के पहले फ्रांस में शोषण के जाल में फँसे मजदूरों जैसी स्थिति में भारत के मजदूर भी हैं। भारत में मजदूरों का यह नीति आधारित शोषण कहीं ठेकेदारों द्वारा, तो कहीं निजी क्षेत्र में हो रहा है। सरकारी नीतियों भी व्यवस्था में उन्हें समानता नहीं प्रदान कर रही हैं। 18वीं शताब्दी के फ्रांस की स्थिति आज के भारत जैसी ही थी। मजदूरों के लिए न तो श्रम करने की समय सीमा तय थी न ही यह तय था कि उन्हें कम से कम कितनी मजदूरी मिलेगी। मजदूर सामंतों और जमीदारों और व्यापारियों के शोषण का शिकार हो रहे थे।

मेहतकशों की दुनिया में फैले असंतोष को देखते हुए पहले ब्रिटेन ने 1896 में फैक्टरी कानून बनाया जिसमें यह बताया गया है कि एक मजदूर को एक सप्ताह या एक दिन में कितने घंटे श्रम करना होगा। इसी के साथ काम के ऐवज में न्यूनतम मजदूरी का विचार भी आया। भारत में यह कार्य 1948 में हो सका जब यहाँ पर न्यूनतम मजदूरी कानून बना। लेकिन यहाँ का मजदूर आज भी अपने हिस्से की न्यूनतम मजदूरी पाने के लिए संघर्ष कर रहा है।

इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए न्यूनतम मजदूरी देने की बात की है। इन बिंदुओं में परिवार का आकार, कपड़ों की आवश्यकता, आवास, भोजन, ईंधन,रोशनी और अन्य खर्चों को देखते हुए मजदूरी निर्धारण की बात कही है। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक ऐतिहासिक निर्णय में कहा था कि न्यूनतम मजदूरी में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ , सामाजिक समारोह आयोजन करने की क्षमता और वृद्धों की जरूरत को पूरा करने के लिए न्यूनतम मजदूरी की भेंट की 25 फीसद राशि और जोड़ी जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा है कि नियोजकों को हर परिस्थिति में मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी का भुगतान करना चाहिए। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें अपना व्यवसाय बंद कर देना चाहिए। भारत में न्यूनतम मजदूरी कानून को एक संवैधानिक अधिकार सुनिश्चित करने का जरिया माना गया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने पीयूसीआर बनाम भारतीय संघ के एक मामले में न्यूनतम मजदूरी के भुगतान न किए जाने को बेगार के बराबर माना है। उल्लेखनीय है भारतीय संविधान के अनुच्छेद–23 के तहत इस पर रोक है। यह कानून व्यावहारिक प्रक्रिया में संविधान के अनुच्छेद–226 की परिधि में आ जाता है जिनमें व्यक्ति के मूल अधिकारों की रक्षा के बारे में प्रावधान किए गए हैं।

रोजगार गारंटी अधिनियम एक प्रभावशाली कानून है पर इसमें अनियमितताएँ व्याप्त हैं। सरकार ने अपने नए प्रावधानों में अपने हर कर्मचारी अफसर के लिए न्यूनतम 15000– 90000 निर्धारित करती है। वही सरकार मजदूर के लिए साल के सिर्फ 100 दिन का काम तय करती है। इसमें यह देखने वाले लोग हैं कि मजदूरों ने कितना काम किया। जबकि मोटे वेतनों पर कार्यरत सरकारी लोगों से यह कोई नहीं पूछता। क्या अनपढ़ मजदूरों पर यह दबाव उचित है? वर्ष 1929 के लाहौर अधिवेशन में अध्यक्षीय भाषण दे रहे जवाहरलाल नेहरू ने कहा था– 'खेतों और फैक्टरियों में काम करने वाले हर मजदूर और कामगार को कम से कम इतना अधिकार तो है ही कि वह इतनी मजदूरी पाए कि अपना जीवन सुख–सुविधा से बिता सके...।' पर आज आजादी के 6 दशकों बाद भी मजदूरों की वास्तविक स्थिति क्या है यह किसी से छिपी नहीं है। उम्मीद और संघर्ष जारी रखिये। उम्मीदों का सूरज जरूर निकलेगा।

हाशिये पर भारत के मजदूरः शोषण के साए में विकास

—डॉ. सत्यवान सौरभ—

'जिन हाथों ने इस देश की इमारतें खड़ी कीं, उन्हीं हाथों को आज रोटी, छत और पहचान के लिए जूझना पड़ रहा है। दिहाड़ीदार मजदूर केवल श्रम नहीं देते, वे इस देश की नींव हैं लेकिन सबसे उपेक्षित भी। विकास की रफ्तार में उनका पसीना झलकता है, पर उनकी आवाज नहीं सुनाई देती। क्या यही है 'नए भारत' का सपना जहाँ श्रमिक अनदेखे, अनसुने और असुरक्षित रहें?

बदलते दौर में जब तकनीक, पूंजी और ग्लेमर की दुनिया भारत को चमकाता दिखता है, तब देश का एक बड़ा तबका ऐसा है जो उस चमक की नींव बनाता है लेकिन खुद अंधेरे में घुटता रहता है। यही तबका है कृ दिहाड़ीदार मजदूर। जिनकी बदौलत गगनचुंबी इमारतें खड़ी होती हैं, सड़कों पर रफ्तार दौड़ती है, और शहर सांस लेता है। परन्तु विडंबना यह है कि इन मजदूरों के जीवन में न तो स्थिरता है, न सुरक्षा, न पहचान और न ही संवेदनशीलता।

दिहाड़ीदार मजदूरों की दुर्दशा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक उपेक्षा और संस्थागत असफलताओं की भी उपज है। कोविड–19 महामारी हो या हालिया शहरी आपदाएँ, सबसे पहला और सबसे गहरा आघात इसी वर्ग को झेलना पड़ा। रोज कमाने–खाने वाले इन श्रमिकों के लिए लॉकडाउन और आर्थिक मंदी जीवन–मरण का प्रश्न बन गई। सरकारी घोषणाओं में इनके नाम भले दर्ज हों, पर न आंकड़ों में इनका कोई भरोसेमंद रिकॉर्ड है, न योजनाओं के क्रियान्वयन में इनकी प्राथमिकता।

भारत का श्रमबल लगभग 500 मिलियन है, जिसमें से 90 प्रतिशत से अधिक श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत हैं। शहरी भारत की लगभग 72 प्रतिशत कार्यशक्ति दिहाड़ी श्रमिकों के रूप में काम कर रही है। यह 'बैकएंड इंडिया' जिसे कोई नहीं देखता, 'फ्रंटएंड इंडिया' की रफ्तार बनाए रखने के लिए दिन–रात खटता है। यह वर्ग न केवल भारत की, बल्कि सिंगापुर, दुबई और खाड़ी देशों की आधुनिकता की नींव भी है। लेकिन विडंबना है कि इन्हें कोई पहचान पत्र नहीं, कोई बीमा नहीं, कोई स्थायित्व नहीं केवल मेहनत और उपेक्षा मिली है।

भारत में मजदूरों की लड़ाई कोई नई नहीं है। ब्रिटिश काल में बॉम्बे मिल मजदूर आंदोलन (गिरनी कामगार आंदोलन) से लेकर 1920 में ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) की स्थापना तक, मेहनतकशों ने संगठित होकर अपने हक की आवाज बुलंद की। 1 मई को मजदूर दिवस' के रूप में मनाने की परंपरा भले शिकागो आंदोलन से शुरू हुई हो, लेकिन भारत के श्रमिकों ने भी समय–समय पर सत्ता को झकझोरने वाला संघर्ष किया है। परंतु दुखद यह है कि 21वीं सदी में भी उनके मुद्दे वैसे ही हैं कृ न्यूनतम वेतन, सुरक्षा, और गरिमा।

फैक्ट्रियाँ, होटल, रेस्टोरेंट, कंस्ट्रक्शन साइट्स, डिलीवरी सेवाएँ कृ सब इन पर निर्भर हैं। ओला–उबर ड्राइवर से लेकर राजमिस्त्री, बढ़ई, फूड डिलीवरी बॉय और प्लंबर तक कृ ये ही हैं जो शहरों को गतिशील बनाए रखते हैं। लेकिन जब सवाल उनके अधिकारों का आता है तो तंत्र मौन हो जाता है। इनके लिए न पर्याप्त जल–स्नान की व्यवस्था है, न सुरक्षित आवास, न शुद्ध पेयजल, न स्वास्थ्य सेवाएँ। हाथ धोने की सलाह दी जाती है, पर इनके लिए हैंडपंप भी अविश्वसनीय होते हैं। बीमार हों तो अस्पताल की कतार में कोई नाम नहीं, बैंक हो तो खाता नहीं, और श्रम हो तो मान्यता नहीं। संक्रमण, अस्वास्थ्यकर माहौल और मानसिक शोषण की तीनहरी मार इन पर हर रोज पड़ती है।

इन मेहनतकशों में बड़ी संख्या महिला श्रमिकों की है कृ निर्माण स्थलों पर ईंट ढोती, घरों में बर्तन माँजती, खेतों में पसीना बहाती, और फिर घर लौटकर चूल्हा–चौका भी संभालती। इनके पास न मातृत्व अवकाश है, न यौन उत्पीड़न से सुरक्षा, न ही समान वेतन की गारंटी। सबसे दुखद यह है कि महिला मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में अक्सर 'अदृश्य' मान लिया जाता है। कोविड–19 महामारी के दौरान जब शहरों में लॉकडाउन लगा, तब सड़कों पर नंगे पांव, भूखे–प्यासे हजारों किलोमीटर पैदल लौटते प्रवासी मजदूरों की तस्वीरें पूरे देश को झकझोर गईं। जिन हाथों ने शहर बनाए, वे ही सबसे बेगाने हो गए। सरकारें एक–दूसरे पर जिम्मेदारी डालती रहीं, और ये मजदूर अपने गाँवों की ओर लौटते हुए ट्रेन की पटरी तक पर जान गंवाते रहे।

ऐसी स्थिति में सवाल उठता है कृ इनकी दुर्दशा का जिम्मेदार कौन? सरकारें जो केवल चुनावी मौसम में इन्हें याद करती हैं? समाज जो केवल इनके श्रम का उपयोग करता है पर इंसान नहीं समझता? या वह नीति–तंत्र जो अभी भी इन्हें 'अस्थायी' मानता है, जबकि पूरा शहरी भारत इन्हीं के श्रम पर टिका है? हमारे शहर यदि किसी की हड्डियों पर खड़े हैं, तो क्या उनका हक सिर्फ पसीना बहाना है? क्या देश के विकास का मतलब सिर्फ ऊँची इमारतें हैं, या उन इमारतों को खड़ा करने वाले हाथों की खुशहाली भी?

हमें नीतिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर क्रांति की आवश्यकता है। सबसे पहले, इनके पंजीकरण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए कृ ई–श्रम पोर्टल्स जैसी पहल को व्यापक और स्थानीय स्तर पर पहुँचाना होगा। साथ ही, "असंगठित कामगार सूचकांक नंबर कार्ड" को हर मजदूर तक पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता बननी चाहिए। यह न केवल उन्हें एक पहचान देगा बल्कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने का जरिया भी बनेगा।

सामाजिक सुरक्षा कोष में तेजी लाना अब विलंब नहीं सह सकता। हर मजदूर को स्वास्थ्य बीमा, न्यूनतम वेतन की गारंटी, और आकस्मिक परिस्थितियों में राहत मिलनी ही चाहिए। स्मार्ट शहर की परिभाषा तब तक अधूरी है जब तक वह अपने सबसे असुरक्षित श्रमिक को गरिमा नहीं दे पाता। स्थानीय निकायों, पंचायतों और नगरपालिकाओं को भी चाहिए कि वे इन दिहाड़ीदारों को उनके कौशल के अनुसार रोजगार से जोड़ने का काम करें। एक 'श्रम सहायता केंद्र' हर नगर में हो, जो जानकारी, परामर्श, और सहायता का केंद्र बने।

भारत से सिंगापुर, कतर और दुबई जैसे देशों में गए मजदूरों की मेहनत वहाँ की इमारतों की पहचान बनी। लेकिन वहाँ भी उनके लिए बुनियादी सुविधाओं की कमी, और यहाँ अपने देश में तो वे हकमजोर तबकाश कहलाते हुए पूरी तरह उपेक्षित हैं। विकासशील देश के नागरिकों को अपने ही देश में श्दूसरे दर्जेश का नागरिक बनाना कैसी विडंबना है? गुरुग्राम के निर्माण स्थल पर काम करने वाले रामनाथ प्रतिदिन 12 घंटे ईंट–बजरी उठाते हैं। वे और उनकी पत्नी दोनों मजदूरी करते हैं, फिर भी बच्चों की स्कूल फीस देने में असमर्थ हैं। "हमने शहर को बनाया है, लेकिन शहर में रहने का हकष हमारा नहीं," वे कहते हैं। रामनाथ कोई अपवाद नहीं, बल्कि भारत के करोड़ों मजदूरों की प्रतिनिधि आवाज हैं।

आज जब हम मजदूर दिवस मना रहे हैं तब यह केवल प्रतीकात्मक नहीं होना चाहिए। यह दिन हमें यह सोचने पर विवश करे कि क्या हम वाकई अपने निर्माणकर्ताओं को वह सम्मान, वह सुरक्षा और वह जीवन दे पा रहे हैं, जिसके वे हकदार हैं? यदि नहीं, तो इस देश के विकास की इमारत खंडहर में बदलने में समय नहीं लगेगा।

शहर की रफ्तार में जो साँसें लगी हैं,
वो थकती हैं पर रुकती नहीं हैं।
जिनके पसीने से सीमेंट सने हैं,
वही सबसे अनसुने हैं।

अब समय है कि हम केवल दीवारें न खड़ी करें,
बल्कि उन हाथों को पहचान दें जो उन्हें खड़ा करते हैं।

समरस भारतीय समाज से हल होंगी मुश्किलें

—विश्वनाथ सचदेव—

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में जो कुछ हुआ है, उसने जहां एक ओर सारे देश को हिला कर रख दिया है, वहीं दूसरी ओर सारी मनुष्यता को भी शर्मसार कर दिया है। जिस नृशंसता और क्रूरता के साथ बैसरन में आतंकवादियों ने निरपराध सैलानियों का खून बहाया है उससे भारत ही नहीं, दुनियाभर के शांति–प्रिय लोग व्यथित हैं। यह व्यथा तब तक नहीं मिटेगी, जब तक मनुष्यता के खिलाफ अपराध करने वालों को उनके किये की समुचित सजा नहीं मिल जाती। हत्या–काण्ड के सात दिन बाद तक अपराधियों का न पकड़ा जाना जरूर कुछ निराश करता है, पर इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए कि अपराधी शीघ्र ही अपने किये की सजा पायेंगे। उन्हें सजा मिलनी ही चाहिए।

पिछले एक अर्से से कश्मीर की घाटी अपेक्षाकृत शांत थी। उम्मीद की जा रही थी कि स्थिति लगातार बेहतर होगी, पर इस हत्या–काण्ड ने ऐसी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। फिर भी, इस हत्या–काण्ड पर दुनियामर में जिस तरह की प्रतिक्रिया हुई है, वह आश्वस्त करने वाली है। सवाल यह उठता है कि जिस तरह से इस सारे काण्ड को रचा गया है उससे आतंकवादियों के मंसूबों के बारे में हम कितना कुछ समझ रहे हैं। जिस तरह नाम पूछ कर, कलमा पढ़वा कर और कपड़े उतरवा कर निरीह सैलानियों को मारा गया है, उससे यह बात तो स्पष्ट हो जाती है कि आतंकवादी कुछ लोगों को, या बहुत सारे लोगों को, मार कर सिर्फ आतंक ही फैलाना नहीं चाहते थे, उनका असली उद्देश्य भारतीय समाज को बांटने का था।

कश्मीर में, और शेष भारत में, इस हत्या–काण्ड पर जिस तरह की प्रतिक्रिया हुई है, वह आश्वस्त करने वाली है। कुल मिलाकर कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और असम से लेकर गुजरात तक, सारा भारत एक आवाज में आतंकवाद के खात्मे की आवाज उठा रहा है। लेकिन, ऐसे तत्व भी हैं समाज में जो इन आशंकाओं को बल दे रहे हैं कि कहीं हम उन आतंकवादियों के षड्यंत्र का शिकार न बन जायें जिनका मुख्य उद्देश्य हमें धर्म के नाम पर बांटना ही है। लेकिन जब तक हमारे बीच एक भी हुसैनशाह अथवा 'नजाकत चाचा' जिंदा है, तब तक एक समरस भारतीय समाज बनाने की हमारी आशा भी जिंदा रहेगी।

जी हां, आदिल हुसैनशाह और नजाकत उन कश्मीरियों के नाम हैं जिन्होंने जान पर खेल कर यह प्रमाणित करने का प्रयास किया कि इंसानियत और उम्मीद अभी जिंदा है। कश्मीर में नृशंस हत्याकाण्ड शुरू होने के कुछ ही मिनट पहले नजाकत उन सैलानियों के बच्चों के साथ खेल रहा था जिन्हें वह पहलगाम घुमाने लाया था। खेल–खेल में जब सैलानियों के तीन–चार साल के बच्चे ने अपने परिवार के 'गाइड' को नजाकत नाम से पुकारा तो बच्चे के पिता ने टोकते हुए कहा था, 'नजाकत नहीं, नजाकत चाचा कहो बेटा'। और इस नजाकत चाचा ने उस परिवार को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी थी। कश्मीरी घोड़ेवाले आदिल हुसैन शाह तो बलिदान ही हो गया अपने 'मेहमानों' को बचाते–बचाते। ये दोनों नाम कश्मीरियत नहीं, इंसानियत के लिए बलिदान होने वाली तमन्ना का परिचय देने वाले हैं। आज सारा देश इस तमन्ना को सलाम कर रहा है।

जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वहां की विधानसभा में इस हत्या–काण्ड की भर्त्सना करते हुए जब यह कहा कि उनके पास माफी मांगने के लिए शब्द नहीं हैं तो उनका गला भर आया था। उन्हें इस बात की पीड़ा थी कि वे उन सैलानियों को बचा नहीं पाये जिन्हें उन्होंने 'कश्मीर घूमने की दावत' दी थी। सीधे–सादे शब्दों में भावुक कर देने वाला यह 'माफीनामा' कुल मिलाकर उस हिंदुस्तानी की आवाज थी जो एक भारतीय समाज की परिकल्पना में विश्वास करता है। आदिल या नजाकत या उमर उस भावना का नाम है जिसके धागे में पिरोया हमारा देश मनुष्यता की एक माला बना हुआ है। इस भावना पर किसी भी प्रकार का अविश्वास करके मैं उम्मीद की उस किरण की चमक को जरा–सा भी कम नहीं करना चाहता जो हमें भारतीय होने पर गर्व करना सिखाती है।

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि आज भी देश में कुछ ऐसे तत्व हैं जो भारत के नागरिक को हिंदू–मुसलमान की नजर से देखते हैं। यदि हम आज कश्मीर में जो हुआ उसके मूल उद्देश्य को समझने में विफल रहते हैं तो यह बांटने वाली नापाक ताकतों के इशारों पर नाचने जैसी बात ही होगी। आखिर पहलगाम में खून बहाने वाले आतंकी चाहते क्या थे? क्या कुछ लोगों को मारना ही उनका उद्देश्य था? जी नहीं, कश्मीर में आतंक फैलाने के इरादे से आये थे आतंकी और उनका उद्देश्य हमारे भारतीय समाज को बांट कर कमजोर बनाना था। इसलिए, यदि आज हम आतंकवादियों के इरादों के शिकार हो जाते हैं, इस तरह की घटनाओं को हिंदू–मुसलमान की दृष्टि से देखने लगते हैं तो आतंकियों के इरादों के पूरा होने के मददगार ही सिद्ध होंगे हम। आतंकवादी, पाकिस्तान में बैठे उनके आका और पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष जैसे तत्व इस तरह की घटनाओं को अंजाम देकर यही चाहते हैं कि पंथ–निरपेक्षता में विश्वास करने वाला भारतीय समाज बंट जाये, कमजोर हो जाये। पंथ–निरपेक्षता और धार्मिक विविधता हमारी ताकत है। आतंकियों के इरादों को न समझ कर, अथवा गलत समझ कर, हम अपनी नासमझी का नहीं, अपनी नादानी का ही परिचय देंगे। और यह नादानी किसी अपराध से कम नहीं होगी।

हमें इस बात का भी ध्यान रखना है कि धर्म के नाम पर समाज को बांटने वाली ताकतें कमजोर भले ही हों, अभी जिंदा हैं। इन ताकतों को पहचानना, और उन्हें विफल बनाना, हमारे अस्तित्व की शर्त है। हमें इस शर्त पर खरा उतरना ही होगा। मैं हिंदू हूं या मुसलमान, या किसी और धर्म को मानने वाला, इससे इस बात पर कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि मूलतरू मैं मनुष्य हूं। यहां मैं गीतकार गोपालदास नीरज की उस कविता को याद करना चाहता हूं, जिनमें उन्होंने कहा था, 'अब तो कोई मजहब ऐसा भी चलाया जाये, जिसमें इंसान को इंसान बनाया जाये।'

आदिल और नजाकत इसी इंसान के नाम हैं। हमें अपने भीतर के इस इंसान को जिंदा रखना होगा। इसके लिए सतत जागरूकता और सतत प्रयास की आवश्यकता है। बांटने वाली ताकतें कमजोर भले ही हों, पर शैतानियत का पुतला होती हैं। इस शैतानियत को हरा कर ही हम इंसानियत को जिंदा रख सकते हैं। इंसानियत का तकाजा है कि हम बांटने वाली ताकतों के हाथों का खिलौना न बनें। नाम पूछ कर गोली चला देने वाला मनुष्यता का अपराधी है, नाम पूछकर सामाजिक बहिष्कार करने वाली मानसिकता भी उतनी ही अपराधी है। आतंकियों से बदला लेना जरूरी है, पर उतना ही जरूरी यह भी है कि हम समाज के उन तत्वों की पहचान करके उन्हें परास्त करने का संकल्प लें जो एक भारतीय के रूप में हमारी पहचान को धुंधला बनाने की कोशिश में लगे हैं। ऐसा न करने या न कर पाने का मतलब है आतंकियों के इरादों को पूरा करने में मदद करना। आतंकियों के इन इरादों को हरा कर ही हम जीत सकते हैं।—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

जीवन प्रत्याशा और तपिश की मार

—ज्ञानेन्द्र रावत—

देश इन दिनों हीटवेव की चपेट में है, जिसकी तीव्रता लगातार बढ़ती जा रही है। क्लाईमामीटर की नई रिपोर्ट के अनुसार, 1950 से अब तक की तुलना में वर्तमान हीटवेव औसतन चार डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म हो चुकी है। यह अंतर यूरोपीय मौसम एजेंसी कापरनिक्स के आंकड़ों के विश्लेषण से सामने आया है। अध्ययन में स्पष्ट किया गया है कि मौजूदा उष्ण लहरें पहले की तुलना में अधिक घातक हैं और इसके लिए मुख्य रूप से मानव जनित जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार है, जो अब मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है।

हालिया रिपोर्ट के अनुसार, हीटवेव की तीव्रता में वृद्धि के पीछे मानव जनित जलवायु परिवर्तन है। भारत में हीटवेव के साथ–साथ मौसम संबंधी कई बदलाव देखे गए हैं, जैसे सतह के वायु दबाव में वृद्धि, हवाओं की गति में कमी, तापमान पैटर्न में बदलाव और नमी में वृद्धि। रिपोर्ट बताती है कि पिछले 80 वर्षों में महानगरों में अत्यधिक गर्मी वाले दिनों की संख्या तीन गुना बढ़ गई है। जहां 1940 के दशक में समुद्री सतह पर सालाना औसतन 15 दिन अत्यधिक गर्मी दर्ज होती थी, वह अब बढ़कर 50 दिन हो गई है। प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, समुद्री हीटवेव अब अधिक तीव्र और दीर्घकालिक हो गई हैं, जो वैश्विक तापमान वृद्धि का सीधा परिणाम है।

तापमान में निरंतर वृद्धि के चलते घातक लू की घटनाओं में बीते दशकों में तेजी से वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार, हर वर्ष दुनिया भर में औसतन 1.53 लाख से अधिक लोगों की मौत लू के कारण होती है, जिनमें से पांचवां हिस्सा भारत में होता है। इसके बाद चीन और रूस में सबसे अधिक मौतें दर्ज की गई हैं। एशिया में गर्मियों के दौरान होने वाली कुल मौतों में लगभग 50 प्रतिशत और यूरोप में 30 प्रतिशत से अधिक मौतें लू से जुड़ी होती हैं। हालिया अध्ययन से यह भी सामने आया है कि जलवायु परिवर्तन ने अप्रैल महीने में पूरे एशिया में हीटवेव की तीव्रता को काफी बढ़ा दिया है, जिससे अरबों लोग प्रभावित हुए हैं।

स्विट्जरलैंड स्थित ईटीएच ज्यूरिख यूनिवर्सिटी के एक हालिया अध्ययन के अनुसार, यदि प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों की घटनाएं इसी प्रकार बढ़ती रहीं तो भविष्य में लू से संबंधित मौतों की दर और अधिक बढ़ने की आशंका है। वर्ष 2003 में यूरोप में तापमान 47.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जिससे लू के कारण 45 हजार लोगों की मौत हुई थी। पिछले 20 वर्षों में यह संख्या एक लाख के करीब पहुंच चुकी है। वर्ष 2013 से किए गए एक वैश्विक अध्ययन में, जिसमें दुनिया के 47 देशों के 748 शहरों में गर्मी से जुड़ी मृत्यु दर के आंकड़े जुटाए गए, यह स्पष्ट हुआ है कि लू की घटनाओं में कहीं भी कमी नहीं आई है। इसके विपरीत, इनसे होने वाली मौतों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, खासकर यूरोप, दक्षिण एशिया, लैटिन अमेरिका, अमेरिका और कनाडा जैसे क्षेत्रों में बढ़ोतरी हुई है। वैज्ञानिकों ने कार्बन डाइआक्साइड में हुई रिकार्ड बढ़त और तापमान में लगातार होती बढ़ोतरी के चलते हीटवेव की भयावहता की आशंका व्यक्त की है।

हीटवेव की बढ़ती तीव्रता और घातकता के चलते देश की 80 प्रतिशत आबादी और 90 प्रतिशत क्षेत्रफल इसके जोखिम की जद में आ सकता है। यदि इससे निपटने के लिए त्वरित कदम नहीं उठाए गए तो भारत को सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीटवेव मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक खतरनाक है, जिससे डिहाइड्रेशन, हीटस्ट्रोक और मृत्यु तक हो सकती है। हीटवेव से सबसे अधिक खतरा बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं, फेफड़ों की बीमारी से ग्रस्त लोगों, और निर्माण व श्रम कार्यों से जुड़े लोगों को होता है। पहले से बीमार लोग विशेष रूप से अधिक संवेदनशील होते हैं और उन्हें अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

बीते वर्षों में हीटवेव ने हर महाद्वीप को प्रभावित किया है, जिससे जंगलों में आग की घटनाओं में भारी वृद्धि हुई है। साल 2022 का अप्रैल बीते 122 वर्षों में सबसे गर्म रहा। अनुमान है कि आने वाले 26 वर्षों में लगभग 60 करोड़ लोग इससे सर्वाधिक प्रभावित होंगे।

स्वयं सहायता समूह के खाते से धोखाधड़ी: फर्जी चेक से निकाले 1.35 लाख रुपए, बैंक कर्मी समेत 5 लोग गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। रेहरा बाजार थाना क्षेत्र से एक बड़े बैंकिंग फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। स्वयं सहायता समूह के निक्रिय बैंक खाते से फर्जी चेक और जाली दस्तावेजों के माध्यम से ₹1,35,000 की धोखाधड़ी कर निकासी करने के आरोप में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें दो स्थानीय आरोपी और तीन बैंक कर्मचारी शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन में गठित टीम ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर दिया है। घटना का खुलासा तब हुआ जब 27 अप्रैल 2025 को वादिनी सीमा देवी ने थाना रेहरा बाजार में तहरीर देकर आरोप लगाया कि रामबाबू गुप्ता निवासी अधीनपुर और सुशील तिवारी निवासी रेहरा बाजार ने संगम स्वयं सहायता समूह के खाते से 1,35,000 की फर्जी निकासी की है। सीमा देवी इस समूह की अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि समूह के खाते में यूपीएसआरएलएम से 1,10,000 की राशि आई थी। उसमें बैंक द्वारा जोड़ा गया ब्याज मिलाकर कुल 1,36,253 जमा थे।

आरोप के अनुसार, दिनांक 14 फरवरी 2024 को रामबाबू गुप्ता ने सुशील तिवारी के साथ मिलकर सुनियोजित साजिश के तहत एक फर्जी चेक के माध्यम से बैंक से पैसे निकाल लिए। इस पर थाना रेहरा बाजार में एफआईआर संख्या 55/2025 धारा 419, 420, 467, 468 और 471 आईपीसी के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने घटना की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार और क्षेत्राधिकारी उतरौला राघवेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की। पुलिस टीम ने 30 अप्रैल को कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त रामबाबू गुप्ता और सुशील तिवारी को रेहरा बाजार बस स्टैंड से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी सुशील तिवारी उर्फ दुर्गादत तिवारी ने पूरी साजिश का खुलासा किया। उसने बताया कि उसने पहले इंडियन बैंक से 1,72,000 का लोन लिया था और अब उस पर लगभग 19 लाख का बकाया है। आर्थिक तंगी से जूझ रहे सुशील की मुलाकात रिंकू शर्मा उर्फ कौशल कुमार से हुई, जो इंडियन बैंक, रेहरा बाजार में वॉलंटियर कम्युनिटी (वीसी) के रूप में कार्यरत है। रिंकू ने ही सुशील को बताया कि संगम स्वयं सहायता समूह के खाते में कई वर्षों से कोई लेनदेन नहीं हुआ है और उसमें अच्छी–खासी रकम जमा है, जिसे निकाला जा सकता है। इसके बाद सुशील ने गोंडा से संगम स्वयं सहायता समूह की एक फर्जी मोहर बनवाई और समूह के नाम से कूटरचित संकल्प पत्र तैयार किया। फिर रामबाबू गुप्ता के नाम एक चेक तैयार किया और चेक के पीछे समूह की अध्यक्ष सीमा देवी और कोषाध्यक्ष बीना देवी के फर्जी हस्ताक्षर और मोहर लगा दी। इस चेक को रिंकू शर्मा के माध्यम से बैंक अधिकारियों को सौंपा गया, जिन्होंने अपने पद और प्रभाव का दुरुपयोग कर रकम को रामबाबू के खाते में ट्रांसफर करवा दिया। जांच के दौरान पुलिस को बैंक के दो वरिष्ठ अधिकारियों की संलिप्तता के साक्ष्य मिले। इसके बाद पुलिस ने इंडियन बैंक, रेहरा बाजार से असिस्टेंट मैनेजर अतिन सक्सेना, असिस्टेंट ब्रांच मैनेजर प्रकाश सौरभ पाल और वीसी रिंकू शर्मा उर्फ कौशल कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। इन पर विश्वासघात और आपराधिक षड्यंत्र की गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की गंभीरता और बैंक अधिकारियों की मिलीभगत को देखते हुए पुलिस ने एफआईआर में धारा 120ठ (आपराधिक षड्यंत्र) और 409 (लोक सेवक द्वारा विश्वासघात) जैसी धाराएं भी जोड़ दी हैं। सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

एमएलके कॉलेज में कल्चरल क्लब पर विचार गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता–बलरामपुर। एमएलके पीजी कॉलेज में पंडित बिरजू महाराज कल्चरल क्लब की ओर से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बुधवार को आयोजित इस कार्यक्रम में शैक्षिक संस्थानों में कल्चरल क्लब की प्रासंगिकता विषय पर विचार गोष्ठी हुई।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पण से हुई। कॉलेज के प्राचार्य एवं क्लब अध्यक्ष प्रो. जेपी पाण्डेय ने कहा कि कल्चरल क्लब विद्यार्थियों को सांस्कृतिक प्रतिभा दिखाने का अवसर देते हैं। यह छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास में सहायक होते हैं।

मुख्य वक्ता और कथक गुरु हर्षिता चौहान ने कथक नृत्य की विभिन्न शैलियों का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि कल्चरल क्लब भारतीय कला और संस्कृति के संरक्षण का माध्यम हैं। क्लब सचिव लेफ्टिनेंट डॉ. देवेंद्र कुमार चौहान ने बताया कि ये क्लब छात्रों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। कार्यक्रम में क्लब प्रभारी प्रो. रेखा विश्वकर्मा और समन्वयक डॉ. अनामिका सिंह भी मौजूद रहीं। महाविद्यालय के शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं कार्यक्रम में शामिल हुए। कथक नृत्य की विभिन्न मुद्राओं के प्रदर्शन ने सभी का मन मोह लिया।

डीएम की फटकार के बाद 3 घंटे में बना सर्टिफिकेट

संवाददाता–बलरामपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरैया सतघरवा का डीएम पवन अग्रवाल ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें एक महिला मिली, जो अपने नवजात के जन्म प्रमाण पत्र के लिए परेशान थी। महिला की पहचान उर्मिला के रूप में हुई, जो ग्राम डिडवा गुगौली कला की रहने वाली है। उसने बताया कि 19 जनवरी 2025 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गुगौली कला में उसकी डिलीवरी हुई थी। सभी जरूरी दस्तावेज होने के बावजूद अभी तक उसे बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र नहीं मिला था। वह इससे पहले भी कई बार केंद्र का चक्कर लगा चुकी थी। डीएम ने इस लापरवाही पर चिकित्सा अधीक्षक को फटकार लगाई। उन्होंने तुरंत जन्म प्रमाण पत्र जारी करने का आदेश दिया। डीएम के निर्देश के बाद महज तीन घंटे में प्रमाण पत्र बनाकर परिवार को सौंप दिया गया। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जन्म प्रमाण पत्र निर्धारित समय सीमा में जारी किए जाए।

बाबा साहब का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान –साकेत मिश्रा

संवाददाता–श्रावस्ती। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव के विरोध में भिनगा में रैली निकाली और सपा प्रमुख पर बाबा साहब आम्बेडकर के अपमान का आरोप लगाया। इसके साथ ही अखिलेश यादव के पुतला जलाया। भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रवेश आर्य की अध्यक्षता में आयोजित विरोध प्रदर्शन में सदस्य विधान परिषद साकेत मिश्रा, जिलाध्यक्ष भाजपा डॉ मिश्रीलाल वर्मा सहित पूर्व जिलाध्यक्ष शंकर दयाल पाण्डेय, संजय कैरावी पटेल सहित पदाधिकारी मौजूद रहे। भिनगा के पटेल चौराहा से भिनगा नई बाजार के अशोक चौराहा तक पदाधिकारियों ने नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च निकाला और चौराहे पर पुतला फूंका गया। इस दौरान साकेत मिश्रा ने कहा कि अखिलेश यादव ने बाबा साहब की फोटो काटकर उसमें अपनी फोटो लगाकर दलित समाज को अपमानित किया है। जो निंदनीय है। बाबा साहब का अपमान हिन्दुस्तान नहीं सहेगा और संघर्ष किया जाएगा। वहीं जिलाध्यक्ष डॉ मिश्रीलाल वर्मा ने कहा कि क्या अखिलेश यादव को नहीं पता है कि बाबा साहब न किसी जाति के थे, न किसी पार्टी के, वे विचारधारा के थे। खुद को उनके समकक्ष प्रस्तुत करना सीधे तौर पर करोड़ों दलितों के संघर्ष का अपमान है। संजय कैरावी पटेल ने कहा कि यह वही अखिलेश यादव है जिसके मुख्यमंत्री रहते हुए आजम खान ने बाबा साहब आम्बेडकर को भू माफिया कहा था और अखिलेश यादव ने कुछ भी नहीं कहा था। विरोध प्रदर्शन में दिवाकर शुक्ला, रमन सिंह, रणवीर सिंह, सरिता सिंह, अरुण पाण्डेय, ब्लॉक प्रमुख अमित सिंह, संजू तिवारी, बलविंदर सिंह, वीरू श्रीवास्तव, मंशाराम आर्य, दिलीप सरोज, विनोद साहू सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

44 ली कच्ची शराब के साथ पांच बंदी

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस ने 44 लीटर कच्ची शराब के साथ पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सिरसिया पुलिस ने सुरेन्द्र कुमार निवासी जमुनीकला व संतोष कुमार निवासी गब्धापुरवा को 10–10 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। इसी तरह हरदत्तनगर गिरंट पुलिस ने फारुख बंजारा निवासी बंजारनपुरवा को पांच लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। गिलौला पुलिस ने अटल पाण्डेय निवासी गिलौला बाजार को 10 लीटर व मल्हीपुर पुलिस ने इतवारी वर्मा निवासी गंगाभागड़ को नौ लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया।

बधाई गान से गुंजायमान हुआ रसमोदकुंज, मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्म स्थली के मां सरयू के तट पर गोलाघाट में स्थित रसमोदकुंज मंदिर के गर्भगृह में वैशाख शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया को बिहारिणी–बिहारी जू सरकार विराजमान हुए थे उनकी वर्षगांठ बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मंदिर परिसर में मनाया गया यह उत्सव और हर्षोल्लास का वातावरण देख परिसर में स्थित भक्तजन आह्लादित हो उठे। प्रातः काल की बेला में सर्वप्रथम भगवान का पंचामृत और औषधियों से अभिषेक–पूजन हुआ। तदुपरांत नवीन वस्त्र धारण कराकर उनका भव्य श्रृंगार किया गया और मठ के पुजारी द्वारा रसमोद कुंज बिहारिणी–बिहारी जू की भव्य आरती उतारी गई। सायंकाल जन्म बधाई का कार्यक्रम हुआ, जिसमें रामनगरी के कई नामचीन कलाकारों ने अपनी–अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

रसमोद कुंज पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज ने कलाकारों को नेग–न्यौछावर भेंट कि और बताया कि ठाकुर जी के साथ हनुमत निवासाधीश स्वामी गोमती दास महाराज का प्राकट्योत्सव भी मनाया जाता है। इस मौके पर जन्म बधाई का कार्यक्रम भी हुआ। स्वामी गोमती दास महाराज बहुत ही सिद्ध संत थे। सरलता तो उनमें देखते ही झलकती थी। उन्होंने जीवन भर दीन–दुखियों और निराश्रितों की सेवा की।

दहेज हत्या का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में पुलिस ने दहेज हत्या के वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बुधवार को मल्हीपुर थानाध्यक्ष आशीष कुमार पुलिस टीम के साथ वांछितों की तलाश में क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दहेज हत्या के वांछित आरोपी विनोद कुमार पुत्र कामता प्रसाद निवासी दयाली फत्तेपुर बनराई को कानीबोझी चौराहे से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को थाने लाकर जेल भेज दिया गया।

कम उम्र में न करो शादी, यह है जीवन की बर्बादी

संवाददाता–श्रावस्ती। अक्षय तृतीया पर परिषदीय स्कूलों में बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया गया। स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों के साथ ही अभिभावकों को जागरूक किया गया। साथ ही बाल विवाह न करने की अपील की गई। जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को सिरसिया विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बगही में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षक के सहयोग से विद्यालय के बच्चों ने बाल विवाह से होने वाले नुकसान को समझाने के लिए नाटक प्रस्तुत किया। साथ ही अभिभावकों को बाल विवाह न करने को प्रेरित किया। शिक्षक कर्मवीर राणा ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के लिए किसी अभिशाप से कम नहीं है। खास कर बालिकाओं के लिए छोटी उम्र में शादी हो जाने से बालिकाओं का बचपन छिन जाता है और उनका शारीरिक व मानसिक विकास भी प्रभावित होता है। बाल विवाह कानूनन अपराध है और इसके लिए सजा का भी प्रावधान है। इसके बाद भी लोगों को खुद जागरूक होना होगा। इसीलिए न तो बाल विवाह करें और न होने दें।

विवादित पोस्टर लगवाने वाले लाल चंद्र गौतम ने दी सफाई: कहा– दलितों की रक्षा कर रहे अखिलेश, संविधान के सच्चे हितैषी

संवाददाता–गोण्डा। राजधानी लखनऊ में डॉ. भीमराव अंबेडकर और सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की एक साथ तस्वीरों वाले पोस्टर को लेकर प्रदेश में विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसे बाबा साहब का अपमान बताते हुए प्रदर्शन किया। अखिलेश यादव का पुतला दहन किया।

यह पोस्टर लगाने वाले समाजवादी लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव लाल चंद्र गौतम गोंडा के हैं। लाल चंद्र गौतम ने 3 दिन पहले अखिलेश यादव को श्दलितों के भगवानश् और डॉ. अंबेडकर को दलित समाज का भगवान बताते हुए पोस्टर लगवाया था। विवाद बढ़ता देख लाल चंद्र गौतम ने सफाई दी। उन्होंने कहा, मैं स्वयं दलित समाज से आता हूं। जिस तरह भाजपा सरकार में बहुजन समाज पर अत्याचार हो रहा है, ऐसे में सिर्फ अखिलेश यादव ही हैं जो हमारे हितों की रक्षा कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, बाबा साहब द्वारा बनाया गया संविधान आज की सरकार में लागू होता हुआ नहीं दिख रहा। आप खुद देख सकते हैं कि सपा के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के घर पर करणी सेना के लोगों ने हमला किया। लोग खुलेआम लाठी, डंडे और तलवारें लेकर घूम रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

गौतम ने कहा कि, पोस्टर लगाने का मकसद यही था कि बहुजन समाज की सुरक्षा आज सिर्फ अखिलेश यादव कर रहे हैं। मैंने अपनी भावना से, अपनी सुरक्षा के लिए यह पोस्टर लगवाया था जिसमें बाबा साहब और अखिलेश यादव दोनों की तस्वीरें हैं। बाबा साहब हमारे भगवान हैं और अखिलेश यादव भी हमारे दलित समाज के संरक्षक हैं। उन्होंने कहा, बाबा साहब और अखिलेश यादव की तुलना नहीं की गई है। दोनों की अपनी–अपनी भूमिका है। जैसा कि बाबा साहब ने संविधान बनाया, वैसे ही अखिलेश यादव उस संविधान की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। भाजपा की सरकार में आज हालात यह हैं कि मुख्यमंत्री के सजातीय लोग खुलेआम हथियार लेकर घूम रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती। अगर यही काम कोई दलित या अल्पसंख्यक करता, तो उसके घर पर अब तक बुलडोजर चल गया होता।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, अभी हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह की तुलना सरदार वल्लभभाई पटेल से की गई और उनकी तस्वीरें एक साथ लगाई गईं, लेकिन उस पर कोई विवाद नहीं हुआ। फिर हमारे पोस्टर पर यह फर्जी राजनीति क्यों?

गौतम ने कहा, यह मेरी व्यक्तिगत भावना थी। बाबा साहब के मिशन को अखिलेश यादव आगे बढ़ा रहे हैं। भाजपा इस मुद्दे पर बेवजह राजनीति कर रही है। मेरी कोई मंशा नहीं थी कि इतना बड़ा विवाद खड़ा हो। मैंने तो सिर्फ अपनी भावना व्यक्त की थी।

उन्होंने बताया कि, मुझे अखिलेश यादव का फोन भी आया था। उन्होंने मुझसे बात की है और कल पार्टी कार्यालय बुलाया है। अगर मुझसे कोई गलती हुई होगी तो मैं भविष्य में ऐसी गलती न हो, इसका पूरा प्रयास करूंगा। जैसा भी निर्देश मिलेगा, उसका पालन करूंगा।

अक्षय तृतीया पर 50 लाख रुपए के जेवरात की हुई बिक्री

संवाददाता–बलरामपुर। अक्षय तृतीया पर्व जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान लोगों ने आभूषणों सहित सोने, चांदी केसामान की जमकर खरीदारी की जिससे सर्राफा व्यापार में उछाल भी देखा गया। सर्राफा व्यवसाइयों की माने तो अक्षय तृतीया पर करीब 50 लाख का कारोबार हुआ है। महंगाई का भी कोई विशेष असर नहीं दिखाई पड़ा है। अक्षय तृतीया का पर्व हिन्दू जनमानस के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जानकारों की माने तो यह खास दिन भगवान विष्णु व शंकर की पूजा के लिए समर्पित है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन दान पुण्य करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। अक्षय फल की प्राप्ति के लिए लोग दान पुण्य भी करते हैं। यही कारण है कि लोग सोना चांदी के सामान की खरीदारी करते हैं। बुधवार को अक्षय तृतीया के मौके पर सर्राफा व्यापारियों के यहां खरीदारों की भीड़ लगी रही। मुनीम जी ज्वैलर्स, आसिफ ज्वैलर्स, राजा सर्राफ जैसी प्रमुख सर्राफा दुकानों पर पूरा दिन खरीदारों की भीड़ लगी रही। सर्राफा व्यवसाई मोहम्मद राशिद व मोहम्मद आसिफ ने बताया कि अक्षय तृतीया पर लोगों ने सोने चांदी सहित अन्य सामाग्रियों की जमकर खरीदारी की है। इस पर्व पर पचास लाख से अधिक का कारोबार सर्राफा व्यवसायियों का हुआ है।

अक्षय तृतीया पर लोगों ने वाहनों की भी जमकर खरीदारी की है। नगर क्षेत्र के जीएस पाल बजाज, देवेन्द्र होण्डा, टीवीएस व हीरो मोटरसाइकिल एजेंसी पर पूरे दिन भीड़ रही। बाइक विक्रेताओं की माने तो हर बार की तरह इस बार अक्षय तृतीया पर वाहनों की अधिक बिक्री हुई है।

जिससे उनके भी व्यापार में उछाल आया है। जीएस पाल बजाज के सीईओ सरदार भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि लोग इस पर्व पर बाइक खरीदने के लिए शोरूम में पहुंचे। बाइक लेने के बाद उन्होंने इसका विधिवत पूजन अर्चन भी कराया है। इसी तरह से ग्रामीण क्षेत्रों में भी अक्षय तृतीया पर लोगों ने आभूषणों सहित वाहनों की खरीदारी की।

छात्रों ने पत्रक बांट कर की यातायात नियमों का पालन करने की अपील

संवाददाता–श्रावस्ती। यातायात नियमों का पालन कराने के लिए चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान पर्चा बांट कर लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की जा रही है। बुधवार को स्कूली छात्रों ने पत्रक वितरित करके लोगों से नियमों का पालन करने की अपील की। यातायात प्रभारी मोहम्मद शमीम व यातायात टीम ने बुधवार को भिनगा के दहाना तिराहा, पुरानी बाजार मोड़ आदि स्थानों पर अभियान चलाकर अवैध आटो व ई–रिक्शा एवं डग्गामार वाहनों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की। इसके साथ ही बाजारों में हेलमेट विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण कर उन्हें बीआईएस मानक वाले हेलमेट ही विक्रय करने की सख्त हिदायत दी। इसके साथ ही लव विद्यापीठ के छात्र–छात्राओं के सहयोग से मोबाइल पर नहीं, सड़क पर ध्यान दीजिए एवं एक सेकंड की लापरवाही, उम्र भर का पछतावा जैसे संदेशों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया गया। छात्रों ने कलेक्ट्रेट चौराहे पर लोगों को पत्रक वितरित किया। इसी क्रम में यातायात टीम ने लोगों से हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, नशे में वाहन न चलाने की शपथ दिलाई।

खुला 450वां डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र

संवाददाता–कुशीनगर। 30 अप्रैल को 450वें डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र का उद्घाटन हुआ। केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह और डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी ने केंद्र का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में सांसद जगदंबिका पाल और कुंवर रतनजीत प्रताप नारायण सिंह समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने बताया कि इस केंद्र से सांस्कृतिक आदान–प्रदान और तीर्थयात्रा को बढ़ावा मिलेगा। कुशीनगर के किसान, मजदूर और छात्र अब आसानी से पासपोर्ट सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। एम–पासपोर्ट सेवा ऐप और डिजिलॉकर से प्रक्रिया सरल हो गई है।

विदेश मंत्रालय और डाक विभाग की साझेदारी से देशभर में 543 पासपोर्ट सर्विस पॉइंट्स का नेटवर्क स्थापित है। इसमें 37 पासपोर्ट कार्यालय, 450 पीओपीएसके और 93 पासपोर्ट सेवा केंद्र शामिल हैं। लखनऊ क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के अधीन 4 पासपोर्ट सेवा केंद्र और 33 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र संचालित हैं। कुशीनगर का यह केंद्र लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत 33वां डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र है। विदेश मंत्रालय ने सभी 543 लोकसभा क्षेत्रों में पासपोर्ट सेवा पॉइंट स्थापित करने का लक्ष्य पूरा कर लिया है। कार्यक्रम में विदेश मंत्रालय, डाक विभाग और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

कुशीनगर एक ऐसी जगह है जिसने सदियों से संतों, विद्वानों और साधकों को अपनी ओर आकर्षित किया है और यहाँ पर इस सुविधा की शुरुआत यह सुनिश्चित करती है कि इस क्षेत्र के लोगों की विश्व स्तर तक पहुँच उसी प्रकार हो सके जिस प्रकार विश्व की पहुँच कुशीनगर तक सुनिश्चित हुई है। यह हमारे देश के अतीत और भविष्य के बीच एक छोटा किंतु सशक्त माध्यम है ताकि इसके माध्यम से भारत ग्रहणशीलता और संपर्क का प्रकाश स्तंभ बना रहे।

किसानों के घर पहुंची गेंहू खरीदने सरकार

संवाददाता–गोण्डा। जिले में रबी विपणन वर्ष 2025–26 के लिए गेहूं खरीद अभियान चल रहा है। डिप्टी क्षेत्रीय विपणन अधिकारी प्रज्ञा मिश्रा के नेतृत्व में किसानों के घर–घर जाकर गेहूं खरीदा जा रहा है। इस विशेष अभियान के तहत अब तक 57,132 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई है। कुल 1,230 किसानों से उनके घर जाकर गेहूं खरीदा गया है। इससे किसानों को मंडी या क्रय केंद्रों तक जाने की जरूरत नहीं पड़ी।

अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को सरकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ सीधे पहुंचाना है। साथ ही बिचौलियों की भूमिका को खत्म करना है। डिप्टी आरएमओ प्रज्ञा मिश्रा ने बताया कि अभियान की शुरुआत जिले के दूरदराज के गांवों से की गई।प्रशासन की टीमें गांव–गांव जाकर गेहूं खरीद रही हैं। मौके पर ही तौल और भुगतान की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इस पहल से किसानों में उत्साह देखा जा रहा है।

जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि आने वाले महीने में अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचा जाए। डीएम नेहा शर्मा के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य है कि कोई भी किसान कम दामों पर अपना गेहूं बेचने को मजबूर न हो। यह व्यवस्था उन किसानों के लिए विशेष रूप से लाभदायक है, जिन्हें क्रय केंद्रों तक गेहूं ले जाने में परेशानी होती है।

मारपीट व धमकी मामले में दोषियों को तीन वर्ष की कैद

संवाददाता–श्रावस्ती। मारपीट करने व जान माल धमकी के मामले में दो आरोपियों को दोषी पाया गया। न्यायालय ने दोनों को तीन–तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही दो–दो हजार रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया। कोतवाली क्षेत्र भिनगा के लखाही निवासी भइलू पुत्र ननके व उसकी पत्नी ने वर्ष 2014 में गांव के ही एक महिला को मारा पीटा था। साथ ही गाली गलौज करते हुए जान माल की धमकी दी थी। पीड़ित महिला की ओर से कोतवाली भिनगा में दोनों आरोपियों के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और विवेचना कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। 11 वर्ष से न्यायालय में मामला विचाराधीन था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान दोनों आरोपियों को दोषी पाते हुए न्यायालय ने सजा सुनाई। न्यायालय की ओर से दोनों को तीन–तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई। साथ ही दो–दो हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया।

सोनौली बार्डर पर अवैध बसों का संचालन

संवाददाता–महराजगंज। भारत–नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा सोनौली पर अवैध बस संचालन की समस्या गंभीर होती जा रही है। यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए लग्जरी बसें सोनौली और नेपाल से यात्री भर रही हैं। ये बसें बिना किसी जांच–पड़ताल के हैदराबाद, गुजरात और महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों तक जा रही हैं।

सीमा पर तैनात एसएसबी पुलिस और क्षेत्रीय परिवहन विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। इससे अवैध बसों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बस संचालकों ने नेपाल के भैरहवा, बुटवल, पोखरा और काठमांडू तक अपना नेटवर्क बना लिया है।

सोनौली स्टैंड पर इन बसों के लिए टिकट काउंटर भी मौजूद हैं। दलालों के कहने पर बसें नेपाल के बेलहिया, भैरहवा और बुटवल तक जाकर सवारियां भरती हैं। इससे भारतीय राजस्व को प्रतिदिन लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है। बसों का संचालन रात–दिन जारी रहता है। स्थानीय चर्चाओं के अनुसार, पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारी मोटी रकम लेकर इन बसों को चलने की अनुमति दे रहे हैं। रोडवेज बस डिपो के अधिकारियों की शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही है। नौतनवा के पुलिस क्षेत्राधिकारी जय प्रकाश त्रिपाठी ने कहा है कि सोनौली सीमा पर अवैध पार्किंग और डग्गामारी रोकी जाएगी।

अयोध्या हनुमानगढ़ी में टूटी 121 साल पुरानी परंपरा रामलला का दर्शन करने राम मंदिर पहुंचे महंत

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए बुधवार को हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत प्रेमदास ने 121 साल पुरानी परंपरा को संतों की सहमति मिलने के बाद तोड़ दिया। इसके साथ ही हनुमान गढ़ी का कोई गद्दीनशीन महंत 1904 के बाद पहली बार 52 बीघे की परिधि से बाहर निकला है। महंत प्रेमदास ने न सिर्फ रामलला का दर्शन किया बल्कि राम मंदिर की अंतरगृही परिक्रमा का भी शुभारम्भ किया है।

राम मंदिर के निर्माण के बाद पहली बार वीवीआईपी के लिए परिक्रमा खोली गई है। गद्दीनशीन महंत सहित अन्य संतों–महंतों ने भगवान के साथ रामरक्षा स्तोत्र का पाठ किया। रामलला को 56 भोग भी लगाया गया। इससे पहले हनुमानगढ़ी अखाड़े के निशान के साथ गद्दीनशीन महंत प्रेम दास की नगर में शोभायात्रा निकाली गई। इसका जगह–जगह स्वागत हुआ।

हनुमानगढ़ी की नियमावली के अनुसार गद्दीनशीन पद पर प्रतिष्ठित महंत आजीवन परिसर के 52 बीघे की परिधि के बाहर नहीं निकल सकते हैं। इसी नियम के कारण महंत प्रेम दास राम मंदिर के निर्माण के बाद भी रामलला के दर्शन नहीं कर सके और दर्शन पाने के लिए लालायित थे। पिछले दिनों महंत की इच्छा को लेकर निर्वाणी अखाड़ा के पंचों ने बैठक की और सर्वसमिति से दर्शन की अनुमति दे दी। तय हुआ को अक्षय तृतिया के पावन मौके पर महंत रामलला के दर्शन किया।

तय कार्यक्रम के अनुसार बुधवार को अखाड़े के निशान के साथ गाजा–बाजा के साथ महंत की शोभायात्रा राम मंदिर के लिए रवाना हुई।

इस दौरान अखाड़े के नागा संत व शिष्य श्रद्धालु भी शामिल रहे। हनुमानगढ़ी से शोभायात्रा पहले सरयू तट पहुंचीं। यहां गद्दी नशीन महंत और अन्य नागा संतों मां सरयू का पूजन किया। इसके बाद शोभायात्रा राम मंदिर पहुंची। यहां भगवान का दर्शन कर महंत भाव विभोर हो गए।

हनुमान गढ़ी और राम मंदिर के बीच की दूरी केवल एक किलोमीटर है। लेकिन, हनुमान गढ़ी से सुबह 6 बजे शुरू हुआ जुलूस सबसे पहले दो किलोमीटर दूर सरयू नदी के तट पर पहुंचा । निर्वाणी अखाड़े के प्रमुख महंत रामकुमार दास ने बताया कि सरयू नदी पर पीठासीन महंत और दूसरे नागा साधुओं ने सरयू नदी के तट पर स्नान किया। इसके बाद जुलूस राम मंदिर की ओर बढ़ा। दोपहर करीब 1 बजे जुलूस राम मंदिर से हनुमान गढ़ी वापस लौटा। इस तरह पूरा कार्यक्रम सात घंटे तक चला और जुलूस ने करीब 6 किलोमीटर की दूरी तय की।

हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत के 52 बीघे वाले परिसर से बाहर नहीं निकलने की नियमावली की इस शर्त की मर्यादा का पालन सिविल कोर्ट भी करता है। किसी सिविल मुकदमे में गद्दीनशीन के बजाय अखाड़े के मुख्तार ही पैरोकार के रूप में अदालत में हाजिर होते हैं। यदि जरूरत पड़ी तो कोर्ट स्वयं हनुमानगढ़ी आकर गद्दी नशीन का बयान दर्ज करती रही है। यह परम्परा 1904 से चली आ रही है।

पुलिस ने दो वारंटी किए गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। थाना बांसी पुलिस ने बुधवार को दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर चलाए जा रहे वारंटी गिरफ्तारी अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पहला मामला वाद संख्या 37/18 से जुड़ा है, जिसमें धारा 323 और 504 के तहत शिवपूजन को गिरफ्तार किया गया। दूसरा मामला वाद संख्या 1423/17 का है, जिसमें धारा 147 और 504 के तहत किसमती को हिरासत में लिया गया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

गिरफ्तार किए गए शिवपूजन बसंतपुर टोला घघरवा के रहने वाले हैं। वहीं किसमती बलुआ की रहने वाली हैं। दोनों थाना बांसी क्षेत्र के निवासी हैं। गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक विनय पासवान, उपनिरीक्षक विजयप्रकाश दीक्षित, मुख्य आरक्षी शैलेंद्र प्रतापचंद्र और महिला आरक्षी गीताजंली कुशवाहा की टीम शामिल रही। यह पूरी कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ, पुलिस उपाधीक्षक बांसी मयंक द्विवेदी और निरीक्षक बांसी संतोष कुमार तिवारी के निर्देशन में की गई।

सीएम ने सुनी फरियाद, तय की निस्तारण की मियाद

संवाददाता–गोरखपुर। चिंता मत करिए। आपकी समस्या का समाधान कराएंगे और यहां से वापस घर जाने का किराया भी देंगे।' संवेदना के पुट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले इस आत्मीय संबल ने जमीनी विवाद की समस्या लेकर जनता दर्शन में आई महिला कृतज्ञता के भाव में करबद्ध हो गई। हुआ यूं कि गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुन रहे थे। इसी दौरान एक महिला ने जमीनी विवाद से जुड़ी समस्या मुख्यमंत्री को बताई। इस पर सीएम ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही का निर्देश देते हुए महिला को भरोसा दिया कि उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री का यह आश्वासन सुनते ही महिला ने भारी मन से एक और पीड़ा बता दी। कहा कि घर वापस जाने के लिए किराया नहीं है।

महिला की यह बात सुन सीएम योगी ने कहा, परेशान मत होइए, घर जाने का किराया भी मिल जाएगा। इतना कहते ही उन्होंने मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोगों से महिला को किराए की रकम देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के इस भावपूर्ण व्यवहार पर महिला करबद्ध होकर कृतज्ञता जताने लगी। बुधवार को आयोजित जनता दर्शन में सीएम योगी ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और सभी समस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए अफसरों को निर्देशित किए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गरीबों की जमीन पर यदि किसी ने कब्जा किया है तो तत्काल जमीन को कब्जा मुक्त कराने के साथ दबंगों को सबक सिखाया जाए। किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कानून सम्मत सख्त एक्शन लिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता वह निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए।

हर बार की भांति इस बार के जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। जनता दर्शन में कुछ लोगों के साथ उनके बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें दुलारकर आशीर्वाद और चॉकलेट दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में अपने परिजनों के साथ गुरु गोरखनाथ का दर्शन करने आए बच्चों पर खूब प्यार–दुलार बरसाया। उन्होंने इन बच्चों से खूब बातें की, हंसी–ठिठोली के बीच उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और फिर चॉकलेट देते हुए उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह सीएम योगी मंदिर परिसर का भ्रमण करने निकले थे। भ्रमण के दौरान सीएम योगी की नजर परिजनों के साथ आए बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने सबको अपने पास बुला लिया। मुख्यमंत्री ने बच्चों से बेहद आत्मीय तरीके से संवाद करने के साथ उनसे खूब हंसी ठिठोली भी की। सबको चॉकलेट देकर और सबके माथे पर हाथ फेरकर प्यार–दुलार, आशीर्वाद दिया। कुछ छोटे बच्चों को उन्होंने अपने हाथ से चॉकलेट खिलाया। सीएम योगी ने चार माह के जुड़वा बच्चों (भाई–बहन) को अपनी गोद में लेकर दुलार किया और आशीर्वाद दिया।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। बुधवार प्रातःकाल शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने, अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद सीएम योगी मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने गोवंश के बीच समय बिताया और गोसेवा की। मंदिर परिसर का भ्रमण करने के दौरान सीएम योगी जब भीम सरोवर पर पहुंचे तो वहां बतखों का समूह विचरण कर रहा था। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से चारा खिलाकर बतखों पर भी स्नेह बरसाया।

उद्घोषणा

थाना कोतवाली जिला बस्ती उ0प्र0 के मु0अ0सं0 163/23 धारा 380/411 IPC व 66 D आई. टी. एक्ट में फरार चल रहे वांछित अभियुक्त सद्दाम पुत्र मुख्तार खान निवासी गझण्डा पोस्ट– लोधवे थाना फतेहपुर जिला गया राज्य बिहार के खिलाफ मा0 न्यायालय C.J.M. जनपद बस्ती द्वारा दिनांक 01–12–2023 तक न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने हेतु उद्घोषणा जारी की गई थी किन्तु अभियुक्त सद्दाम पुत्र मुख्तार खान उपस्थित नहीं हुआ जिस पर सीआरपीसी की धारा 83 के तहत कार्यवाही की जानी है।

सो रही महिला को बंधक बनाकर बदमाशों ने मचाया तांडव, पहले सटाया तमंचा फिर घर में की लूटपाट

संवाददाता–गोरखपुर। गगहा के असवनपार में मंगलवार की रात सो रही महिला को बंधक बनाकर बदमाशों ने घर में लूटपाट की। तमंचा सटाकर महिला से चाबी लेकर बदमाशों ने आलमारी और बक्से का ताला खोलकर जेवर व नकदी ले लिए। जाते समय महिला के हाथ और पैर को खोल दिए। बुधवार की सुबह एसपी दक्षिणी जितेन्द्र कुमार के साथ मौके पर फारेंसिक टीम के साथ पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। गगहा के असवनपार गांव में पुलिस चौकी से कुछ ही दूरी पर रात 12 बजे तमंचे के साथ चार बदमाश ब्रम्हानंद के घर में घुस गए। उस में घर में उनकी पत्नी वंदना देवी अकेले थी और सो रही थी। वंदना देवी का आरोप है कि घर के बगल में बने शौचालय की छत से बदमाश घर में घुसे तो उनकी नींद खुल गई। इसमें एक बदमाश ने उनके कनपटी पर तमंचा सटा दिया और कमरे और आलमारी की चाबी मांगने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने गमछे से उनका पैर और हाथ बांध दिया।

इसके बाद तकिये के नीचे रखे चाबी को लेकर लूटपाट की। इस दौरान एक बदमाश तमंचा लेकर उनके पास ही खड़ा रहा। अन्य तीन बदमाशों ने कमरों में रखे आलमारी और बक्से में रखा जेवर, नकदी और नई साड़ियों को समेटते हुए मुख्य दरवाजा खोलकर चले गए। जाते समय उनके पास खड़े बदमाश ने हाथ और पैर से गमछा खोलकर लेते गया। बदमाशों के जाने के बाद उन्होंने पड़ोसियों के साथ पुलिस को सूचना दी। एसपी दक्षिणी जितेन्द्र कुमार ने बताया कि घटना के बाद गगहा थाने की पुलिस रात में ही मौके पर पहुंची थी। मामला संदिग्ध लग रहा है। फरेंसिक टीम के साथ जांच की जा रही है। असवनपार के रहने वाले ब्रम्हानंद ओझा और कृष्ण मुरारी ओझा दोनों भाई है और एक ही मकान में रहते है। कृष्ण मुरारी ओझा परिवार के साथ बड़हलगंज में रहते है। वहीं ब्रम्हानंद मुंबई में नौकरी करते है। इनके दोनों बेटे बंगलुरु में रहकर नौकरी करते है। घर पर इनकी पत्नी वंदना देवी अकेले रहती है। मंगलवार की रात वह पड़ोसी के पांच वर्षीय बच्चे के साथ अपने घर पर सो रही थी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया अखिलेश यादव का पुतला दहन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज में बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का पुतला दहन किया। यह कार्यक्रम बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति के सामने परिवर्तन चौक पर आयोजित किया गया। पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने दलित विरोधी अखिलेश यादव मुर्दाबाद के नारे लगाए। राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने समाजवादी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मायावती के साथ हुआ गेस्ट हाउस कांड और कन्नौज मेडिकल का नाम बदलने जैसी घटनाएं सपा सरकार में हुईं। उन्होंने सपा को सबसे बड़ा दलित विरोधी बताया। पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि सपा प्रमुख डॉ. अंबेडकर के नाम पर केवल वोट लेना चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि बाबा साहब का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान कार्यक्रम में लवकुश ओझा, चंद्र प्रकाश उर्फ चंदू चौधरी, धर्मराज वर्मा, दिलीप उर्फ छोटे पाण्डेय, लालजी शुक्ला समेत कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेंहदावल के नए प्रभारी एडीओ पंचायत बने अभिनव रवि वत्स

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के मेंहदावल विकासखंड में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव हुआ है। विकासखंड के एडीओ पंचायत राजेश कुमार पांडे बुधवार को सेवानिवृत्त हो गए। उनकी जगह पर जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार यादव ने 2017 बैच के ग्राम पंचायत अधिकारी अभिनव रवि वत्स को मेंहदावल विकासखंड का प्रभारी एडीओ पंचायत नियुक्त किया है। यह नियुक्ति अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। अभिनव रवि वत्स अपने कार्यकुशल और निर्णायक व्यवहार के लिए जाने जाते हैं। उन्हें विभाग और जिलाधिकारी की ओर से कई पुरस्कार मिल चुके हैं। हाल ही में कबीर महोत्सव के दौरान उन्होंने मंच संचालन की जिम्मेदारी भी संभाली थी।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद अभिनव रवि वत्स ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य शासन की प्राथमिकताओं और योजनाओं को गांव तक पहुंचाना है। वे इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाएंगे।

निजी कंपनी के मैनेजर के घर से साढ़े 5 लाख की चोरी में दम्पत्ति गिरफ्तार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। निजी कंपनी में मैनेजर के घर से साढ़े 5 लाख की चोरी में पुलिस ने दंपती को गिरफ्तार किया है। चोरी करने वाला पूर्व कर्मी ही निकला। पुलिस ने पूछताछ के बाद दंपती को न्यायालय भेज दिया। एएसपी पश्चिमी विशाल पांडेय ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि चिन्तौरा चौराहा पैकोलिया निवासी शशिकान्त ओझा एक कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। बीते 27 अप्रैल को कंपनी का एक पूर्व कर्मचारी रणविजय यादव पुत्र स्व नन्दा यादव निवासी आराजी देवारा देवमूरत का पूरा थाना राजेसुल्तानपुर शशिकान्त के घर आया। दोनों ने एक साथ बैठकर खाना खाया। रात करीब नौ बजे अचानक आंधी तूफान आने पर बिजली चली गई। इस पर शशिकान्त छत पर टहलने चले गए। जब वह कुछ देर बाद नीचे आए तो रणविजय वहां से जा चुका था। उन्हें लगा कि देर होने के चलते रणविजय चला गया होगा। इसके बाद वह भी कमरे में जाकर सो गए। दूसरे दिन सुबह जब उन्होंने अपना बैग चेक किया तो उसमें रखा 5 लाख 50 हजार रुपये गायब था। यह देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। घर पर किसी अन्य सदस्य के न होने पर उनका शक रणविजय पर गया। शशिकान्त ने थाने पहुंचकर नामजद तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर टीम का गठन का आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई। हालांकि आरोपी हत्थे नहीं चढ़ पा रहा था। इस पर पुलिस शशिकांत के कार्यालय पहुंची और वहां रणविजय के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस के हाथ रणविजय का आधार कार्ड लग गया। इससे पुलिस को उसकी खोज करने में आसानी हुई। टांडा पुलिस टीम आरोपी की तलाश में जुटी थी कि मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी त्रिमुहानी हाईवे पर मौजूद है। पुलिस टीम ने वहां पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में उसके पास से 47 हजार 500 रुपये बरामद हुआ। आरोपी ने अपना जुर्म भी स्वीकार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में रणविजय ने बताया कि चोरी के पैसे उसने अपनी पत्नी सोनमती की मदद से घर के पास भूसे वाले कमरे में गड्ढा खोदकर छिपा दिया था। उसकी निशानदेही पर पुलिस मौके पर पहुंची और गड्ढा खोदकर उसमें रखा नकदी बाहर निकाला। पुलिस टीम ने आरोपी की पत्नी को पैसा छिपाने में पति की मदद करने के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
वाद संख्या 48/2023
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

राजाराम
बनाम
शेष नरायन

1. शेष नरायन पुत्र शिवशंकर साकिन छपिया तप्पा कोड़री परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 20–05–2025

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **20–05–2025** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान एकादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–951/2014

परशुराम
बनाम
रामलखन आदि

1/1 रामनिरंजन पुत्र स्व0 रामलखन
1/2 मनोज कुमार पुत्र स्व0 मुनिराम
1/3 राज कुमार पुत्र स्व0 मुनिराम
1/4 अनिल कुमार पुत्र स्व0 राधेश्याम समस्त निवासीगण मौजा कोइलपुरा तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 06–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–325/2023

करिया आदि
बनाम
रामदीन आदि

1. रामदीन उम्र लगभग 65 वर्ष पुत्र भगवानदास 2. हरीशचन्द्र उम्र लगभग 28 वर्ष 3. ध्रुपचन्द्र उम्र लगभग 25 वर्ष 4. रामू उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्रगण गंगादीन 5. सुनीता उम्र लगभग 47 वर्ष पत्नी स्व0 गंगादीन साकिनान आमा तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती –प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
6. कमलादत्त उम्र लगभग 65 वर्ष पुत्र महावीर 7. उमाशंकर उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र रामकुमार साकिनान आमा तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती –प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
8. दिनेश उम्र लगभग 35 वर्ष 9. रमेश उम्र लगभग 33 वर्ष 10. महेश उम्र लगभग 31 वर्ष 11. दुर्गेश उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्रगण विद्याराम साकिनान आमा तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती –प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 22–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 22 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अमर शहीद बन्धू सिंह की 193वीं जयंती आज

संवाददाता–गोरखपुर। बन्धू सिंह स्मारक समिति की ओर से 1 मई को सुबह नौ बजे 1857 की क्रांति के महानायक अमर शहीद बन्धू सिंह की 193वीं जयंती मनाई जाएगी। समिति के सचिव अजय कुमार सिंह 'टप्पू ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि अलीनगर चौक स्थित अमर शहीद की मूर्ति पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए जयंती समारोह का आयोजन किया गया है। बताया कि कार्यक्रम में शिक्षक, व्यापारी संगठन, अधिवक्ता बन्धु, विद्यार्थी, राजनीतिक दलों एवं सामाजिक संस्थाओं के लोग शहीद बन्धू सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–476/1993

राम संवारे आदि
बनाम
झिनकू आदि

3/1 सूर्यप्रकाश 3/2 सुभाष चन्द्र 3/3 अरविन्द पुत्रगण बेकारू साकिन नउवागांव तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 3/4 चन्द्रावती पुत्री बेकारू पत्नी राजकुमार मौजा चक्कर पोस्ट लप्सी हाल मुकाम नउवागांव तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–05–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 16 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 30 माह 04 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

10वीं में जाहन्वी 96.6 और 12वीं में फैसल 96 अंकों के साथ टॉपर

संवाददाता–संतकबीरनगर। सीआईएससीई बोर्ड ने बुधवार को परीक्षा परिणाम घोषित किया। सेंट थॉमस इंटर कॉलेज खलीलाबाद की छात्रा जाहन्वी शुक्ला ने 10वीं (आईसीएसई) में 96.6 प्रतिशत अंकों के साथ जिले में पहला स्थान प्राप्त किया। जाहन्वी के पिता मुरली धर शुक्ला प्राइमरी स्कूल में शिक्षक हैं।

12वीं (आईएससी) में बखिरा के अमरडोभा निवासी मोहम्मद फैसल ने 96 प्रतिशत अंकों के साथ जिला टॉपर बने। फैसल के पिता कपड़ा सिलाई का काम करते हैं। दूसरे स्थान पर मोहम्मद अयान खान 95ः अंकों के साथ रहे। तीसरा स्थान एलन टाम अजी ने 92.5प्रतिशत अंकों के साथ प्राप्त किया। 10वीं में आदित्य कुमार मिश्र 96.2 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। स्तुति अग्रवाल ने 95.8 प्रतिशत के साथ तीसरा और आस्था सिंह ने 95.2प्रतिशत के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया। आर्यांशी गुप्ता 95 प्रतिशत अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। 12वीं में अतुल कुमार गुप्ता और वत्सला सिंह ने 91.75 प्रतिशत अंकों के साथ चौथा स्थान साझा किया। वंदना प्रियदर्शी 91.5 प्रतिशतअंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर जेमुन और अन्य शिक्षकों ने सभी सफल छात्रों को बधाई दी।

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
परिवाद वाद सं0 507/2023
थाना–वाल्टरगंज बस्ती

ज्योति कुमारी
बनाम
अजय आदि

1. अजय उम्र 31 साल पुत्र प्रहलाद 2. फूलमती देवी उम्र 55 साल पत्नी प्रहलाद 3. प्रहलाद उम्र 56 साल पुत्र अज्ञात 4. दीपक उम्र 27 साल पुत्र प्रहलाद साकिनान सन्तपुर उर्फ गदहाखोर थाना पुरानी बस्ती जिला–बस्ती –अभियुक्तगण

तारीख पेशी 03–06–2025

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 03 मास 06 सन् 2025 को 10:00 बजे में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com